>

Title: Need to release a special financial package for rehabilitation of flood-affected people in Bihar.

श्री सूरज सिंह (बलिया, बिहार) अध्यक्ष महोदय,िबहार एक बार फिर प्राकृतिक आपदा के घेरे में आ गया है। नेपाल से भारत में बहने वाली अधवारा, कोसी, महानंदा, गंउक आदि नदियों से 2.83 लाख क्यूबिक मीटर पानी बिहार और उत्तर प्रदेश में आया है। जिसने तबाही पैदा कर दी है। सरकारी सूत्रों के अनुसार बिहार राज्य के 38 जिलों के पांच हजार गांव के लगभग 8 मिलियन लोग बाढ़ के प्रभाव में हैं। 100 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। 9,18000 हजार हेक्टेयर भूमि में खड़ी फसल बरबाद होने का अनुमान है। 70 हजार से अधिक घर नष्ट हो चुके हैं। आज प्रदेश अशांत है। यद्यपि बिहार वालों को प्रकृति का प्रकोप तो हर साल ही झेलना पड़ता है किंतु इस वर्ष इस प्रकोप का प्रभाव अधिक ही हो चुका है।

अतः मेरा सरकार से आग्रह है कि अविलम्ब राहत सहायता के लिए बिहार को 5000 करोड़ रूपये की प्रथम किश्त जारी की जाये। राहत कार्य का लाभ त्वरित पीड़ितों को पहुंचे। अतः आवश्यक है कि राहत सीधे गांवों के स्तर या उनके पंचायतों के माध्यम से पहुंचाया जाये, संयोग से आज प्रदेश में पंचायतों का जाल है और इन्हें का उपयोग कर राहत प्रभावी और न्यायोचित बनायी जा सकती है।